



1915

上上上上上上上上

की की का ही रु न सा ॥ १ ॥ थ डा ग्व श न रु
रु न सा न ला का या डा वा क थ वा क या न डा क
द य क म रु ल या ना म का मा न कि नी थू ना य न
ग ल स रु थू पा थ ल रु थू ॥

ॐ ह्रीं श्री श म ल म र श श रु रु ट स्वा हा ॥ १ ॥
थ म रु वी या वी द्या थ म ला का य । द वी म र्वा न क
ग र म र्वा न क • ॐ अ य र शी वा न म व र वा र
स्व रु अ य र स्वा हा • वा न रु का मि मा कु ती क का थ
म न क र्वा न कु ती क • ॐ ह्री व र वा ना ही ही

१ ॐ कालत्रका ली का काल जा ग्या काल स मद्रल
श का मी ती ती ह न स्वा हा ॥ अत्र १०८ रण ज माल
स बल माना म ^{सु} म शायल गरु न न व थ न न ना य
म ल पूर ना य ॥ ॐ ती इति की र वी जा वी गला
है ह ठ ॥ अल १३० सि क या मी ल वृत्ति का या

क काल प्रा रा वा क वा क या य द्र द य क स म माना
म का य न की ना य पूर ॥ ॐ श्रु त व द्र मि नी
द श्र मं श्र स ग्रा ग य ॥ अल १०८ ॥ अमं शु क
त्र का य ल का का र य या या ग र ग र न ॥ ॐ इ ती
यं रं य त थू ना स्वा हा दे ॥ य ना न य न की ल
य ना ना य वा म श्रु लो वा न न की पूर ॥

२ ओं श्री श्री श्री श्री श्री श्री श्री श्री श्री श्री श्री

月

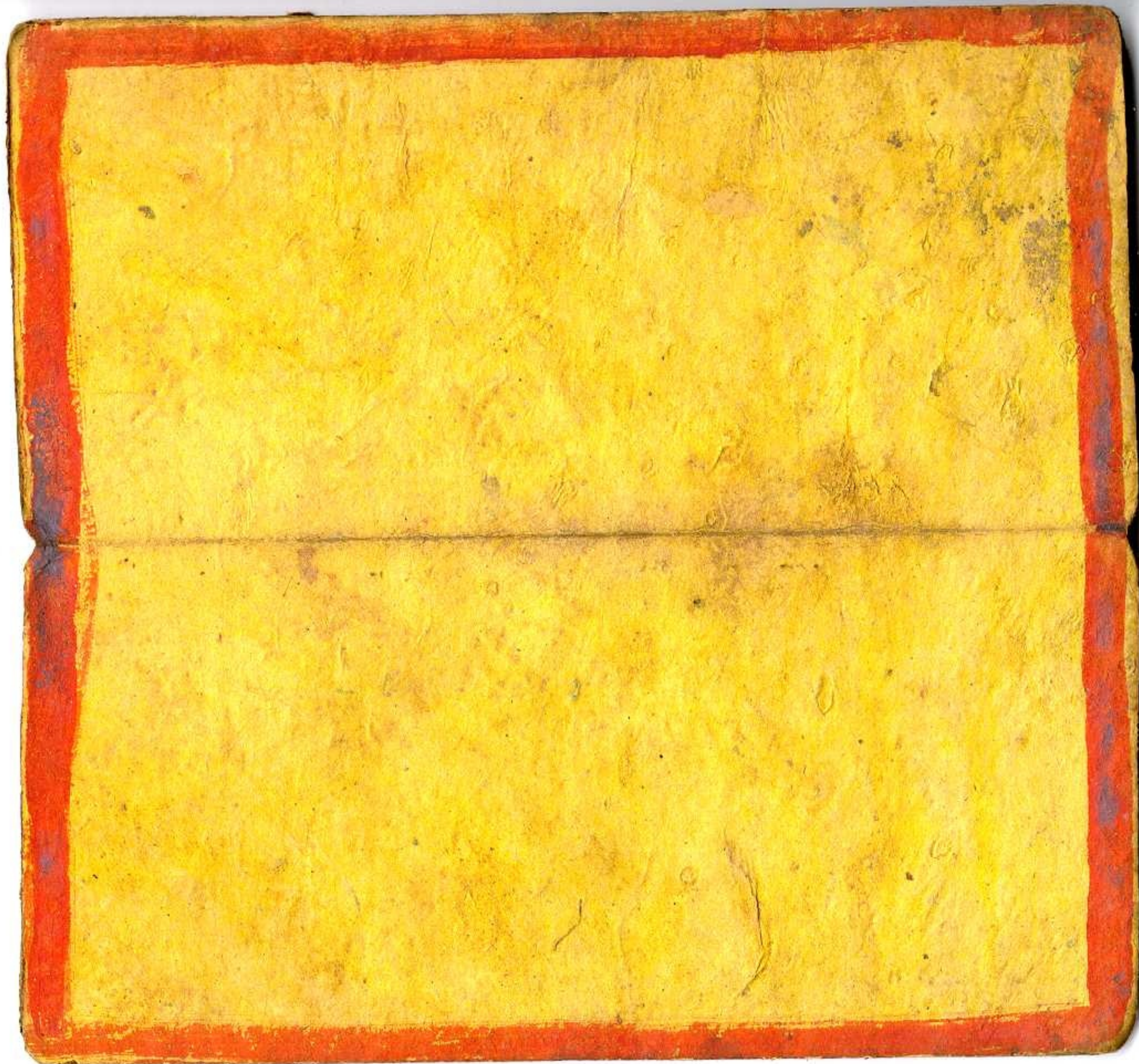
स्वाहा धाम १०८ त्र त्रली सशानखावलकाया
 डाता हाति सशाय डाहा शय सत्र प्रानामैतय
 द्वात सशाना डावान्युपश्याक द्वातक ॥०
 १५८ त्र स म मं त्रल त म म श्री गलनी श्रुलवात

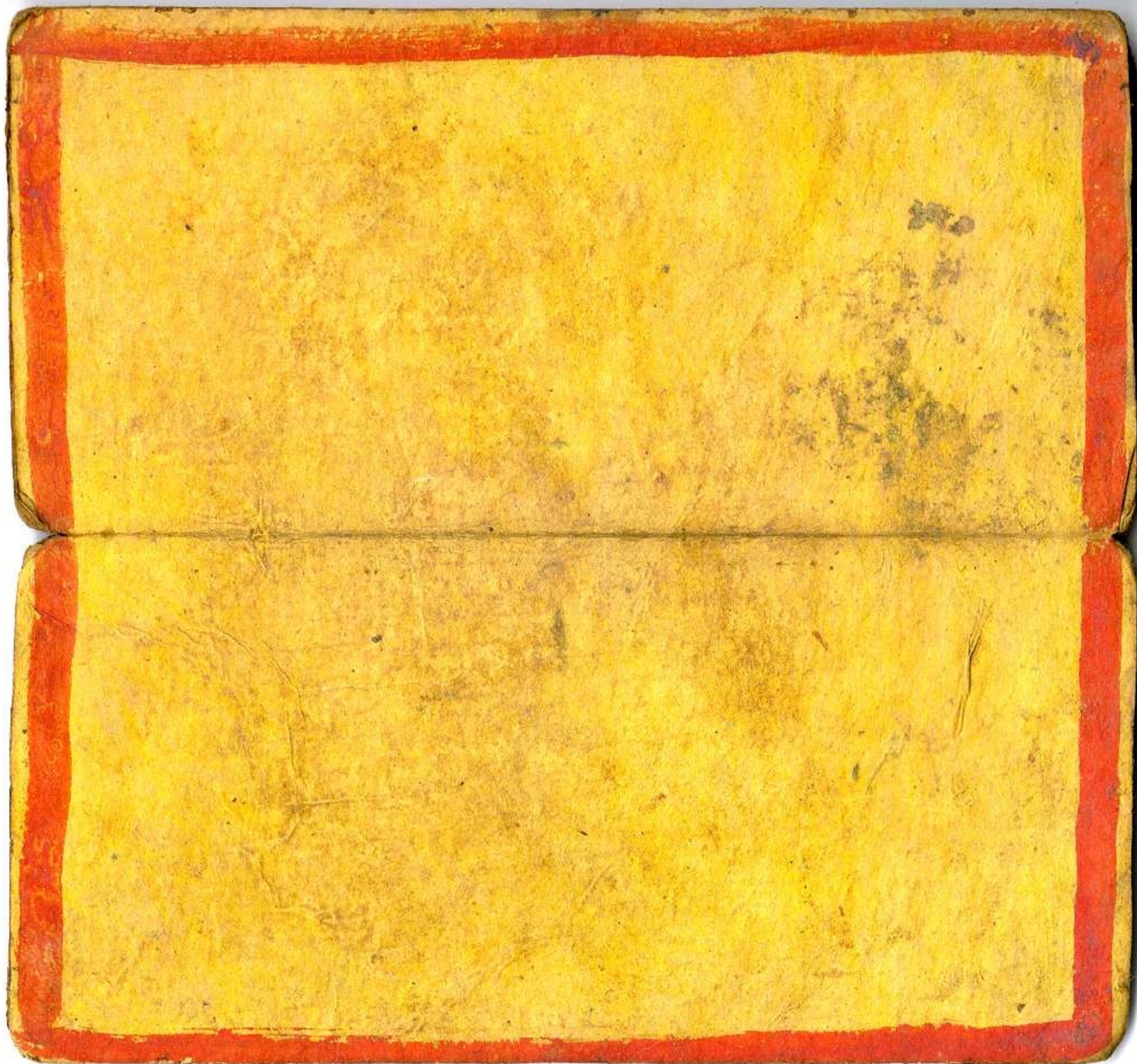
सीसा सा ॥ काल १५ ॥ ॐ का प्र का ज य त वा
स त्र या द्वा श यां डा न म त य र त व त म श य मी
न ग्मि त व द्वा य क त य ४ ॥ ० १ ॐ का त पि ल
का माली श्रि यि श्रि यि सा सा । ग र वा रा ॥ काल १५
कु माल या रा का या डा द्वा ल थ या डा मा म मी रा

पुनः डाले ॥ १८ ॥ तस्मात्प्राप्तं तावत्कं तावत्कं
नामं काय ॥ ० ॥ २ ॥ ३ ॥ ४ ॥ ५ ॥ ६ ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥
ता गडाला तावत्कं ॥ १० ॥ ११ ॥ १२ ॥ १३ ॥ १४ ॥ १५ ॥ १६ ॥ १७ ॥ १८ ॥ १९ ॥
लख। या नू। रा कु। री के री त थाला म म म ता न न
न के म रा व् य क ॥ ० ॥ १ ॥ २ ॥ ३ ॥ ४ ॥ ५ ॥ ६ ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥
म ह नि द्य त्ती त नी









ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 श्रीमद्भगवद्गीता ॥

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥
 अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनिप्रसादात्
 पाशान्धर्ममात्मने प्रपन्नोऽहम् ॥
 त्वया मे कृतं धर्मं शिरोधार्यमात्मना ॥
 त्वमेव मे गुरुः सर्वपापहरिणः ॥
 त्वामेव मे गुरुं शिरोधार्यमात्मना ॥
 त्वमेव मे गुरुं शिरोधार्यमात्मना ॥

॥ धमउतनया ७५॥ ताथइना ॥ ३ ॥ रहनथनसिः जगुन

७हायका ७५॥ खदूको सतावाडा वियः धात्र १००० माननयाय ॥

॥ ॥ थयामउ, धि-७५॥ खखखख ७५॥ ४ ॥

११ ७५॥ माया जडा पयति काख माखडा पयति मासा नडाडा
डात माथन आदि त वानकू दू थत मा नगा दूकी न
कन डा दू व म जू यडा ॥ ॥ नू नू न ताव य मा मा मा मा

जगति ह ७५॥ ना धेति ध नखा कथ क नरय मरयी या दू
कथ ५५॥ वा मा डा प्री न वा मा डा ७५॥ त म य वा ७५॥ डा
ऊ या म ॥ ७५॥ ध मी न नडा या डा ॥ ७५॥ त्रि ज वा डा मी
म धा ल ना म का मा डा लु खा का म दा ना ताथ ॥ ॥
॥ ७५॥ दी की ती दी ता द व म म स द व ७५॥ म म म म म म
ना दी ता द व ७५॥ म म क प ल ख दि दी ख ख दू दू दू
मा ता ॥ ७५॥ ७५॥ ७५॥

धर्म न तु न तुलितं वं तं तुली मलितं पाडा न लना
महाय ॥ ॥ इमा त्रय रति दय र ह रु रुत प्लाहा ॥
कात न काखया वा मश पाडा थ पामी म र्वा सी त यनी म्हा
हाय, नाम का प्र ॥ ॥ श्रुदि न वा त र्व द्वा म्हा त काख
दु द्वा गा डा डा १ ध ग्गलि दू वा त म्हा तू ती नी या व म्हा थ

डाडा म्हा या न र्वा डा डा द्वा यी नी म्हा मि तं य थ काख पा
मा त नलि का पा डा म्हा द्वा या क वा त म्हा त ल डा म्हा सू नान
स्वय म्हा म्हा डा म्हा नान म्हा क का म्हा म्हा ॥ ॥ ॐ मा पा
न डा य पु ति का ख पा ख डा प पु ती मा मा न स डा डा डा
रु स म्हा थ न श्रुदि न वा त र्व द्वा म्हा र्वा म्हा न म्हा द्वा की त
कल डा म्हा व म्हा म्हा डा ॥ ॥ ॐ मा पा, काख या ॐ का

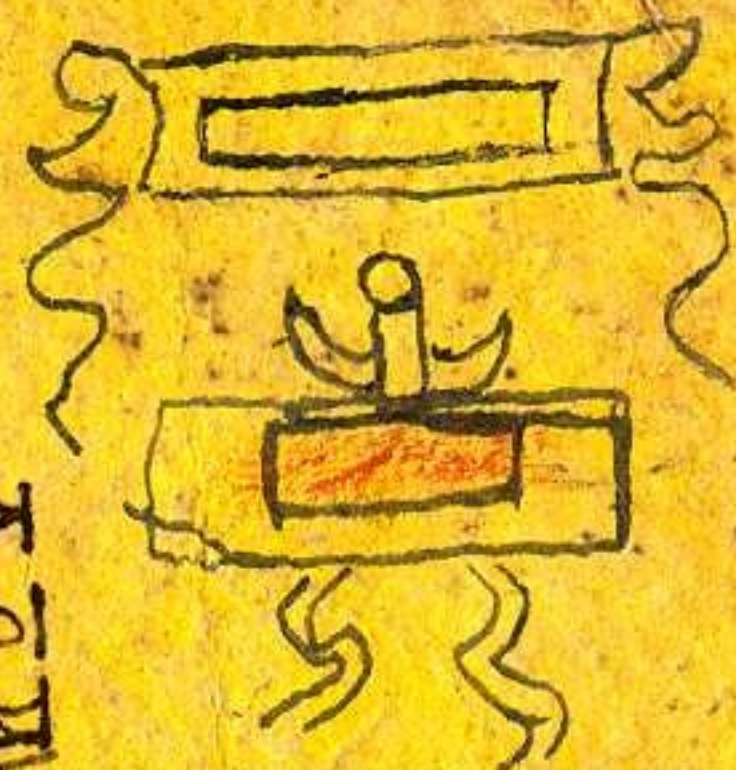
पलका न तत्वा वासि मा मराज न न मख रूकासधम
हा पडलो ॥ ॥ मि रूका मि तैवा वासि ॐ प्रा वा कारव पा
स्मि सा न ह्म आ त श्रदि श्रि वालं न डा ह्म ज्ञा त वा त डा मन्
॥ प्र त म्म कम्मा रूका श्रग्या ॥ धन क त म त य का था
स त य ॥ व म्म ॐ डा हा य जी ॐ डा हा म हा डा ॥ ॥
रिप शानि क्क्या क था मरा का मा डा ह्म स हा ल ह्म स कल

ह ॐ डा म रू पा ह्म स ॥ हा य त म का या डा ॥ ॥
र ह्म नाम स घानि वंर त आ पा पा य रूमा ता पि ती का म्म
कि वि श्रा ह्म ह्म ह्म हा ॥ य त ३ स रू पा नाम ह्म थ डा श य ॥
॥ डां काली काली मा हा का रि रु द्र काली कालि कं काला मन्
मा स कदि रु रा म्म क त ती दा दी क रू व ना लि रु ॐ ना ता श्र
द्रा न रु दा रि रु ल रु क रु कानि रु त म्म ॐ ॥ ल वा रा

मित्री गन्तु श्रुत्या ॥ अत्र १० किं गन्तुं जलजा ॥ याडा
 विडा गलया शका याडा भाव नयायल व धाशन प्ररु
 यावृग न सठ दू थ न क्वा कव सल्लु डा डाई कालकन
 मदी सल्लु नास ॥ सल्लु या ना सल्लु ज य ल्लु सल्लु
 याडा नृग न सल्लु थ न ॥ ॥ इति किं किं रं रं व नथ

तास्मात्ता दू ॥ अत्र १०३ व ना नमवा सडा न क्वा
 नि न की न को रव दू स ना यव पयिका प न का गव ग
 मल्लु ता न की कू रुय ॥ ॥ इति व क्वा ता दि हि हि
 हि हि न स्मा ता ॥ इति थ थ गन्तु श्रुत्या दू रु न स्मा ता
 काल ३ न ता रु या रु य सिके पु न या साल न या य मि व
 क या स्मा न न या य ॥ इति ल ल ल श म स्मा ता ॥ अत्र
 के न या य काल न श य श न ल ल क य क क्वा या ग्वा यो न

न थ क्वा रं न या



न न पामिन



२ॐ वि वि वि दि या सि धि नि दा रु ग्या या त या ज्ञा ज्ञा रु रु त

त्वां ज्ञा ॥ १ या स क या द्र त थ न या त थ ज्ञ न म न म

२ॐ का नीर ज हं का नी या त य त इ इ का का नी अ ति गु व
जा उ त हं ला कि उं कं थ या न ना हं व न ख न न अ श्या
उ ज न या मं उ था ० तु या न दाल श हं रु त ॥ काल
पं इ म व प र क क का रू ज अ वी श ता न ल या य थ ज्ञ
लु खा म न य क क का डा र मि व डा य त न जाल हिस म न
य ता न था व वा सा या न ल न

२ॐ श्री ३ श्री २ रु त ३



२ ग द स या के चान ग
हि यो न वृ ग्य वृ वा ध
ति न यो ॥ ॐ या नाम का
या ॐ ॥ गृ गृ कृ रु य, ता
ॐ न यो न के वा ना का
य, दि न ॥ या य ॥ ॥ ॥

२ ॐ शो न रु रु त स्वा हा ॥ ॐ २ ४ वि यु का, ॐ त का म
य के ॥ ना वृ २ का य ॥ ॐ ल ख मि ति मृ ति ति स लि
वि र्वा मि सु ति ति ज्व ग को वा य ता ज्ञा ॥ ॐ ना ली क
कं हं हं स्वा हा ॥ ॐ त १० ६ जि व दा न वृ य, स क
मा या त, ज्ञा ॐ ॥



साधना ॐ श्रीमन्मन्त्राय
 श्रीमन्मन्त्राय ॥ अतः १७ लीका परया
 त कदि त कता खरवा त करवा य
 कडीडा मनीडा न क्क यानला
 केन पाला का यडीडा ॥ केन पाडी
 डा

१५३३३ समस्तानया हे ग्वा तत्र न वाय, द त सा ख्या व फ्र
 वयत्रीया वरुहं वाय, मद त सा नया डी डी न त य तं स
 वा या डी त य, अ वा य हा क थ र्थ क्क दू न वा य, थ
 थ त य, मू व के रू त सा, नायू डी अ स त य, स ति या
 हे ग्वा त, य स डी व ना डी ॥ वा य ॥ तु मी ली किला यी ली ॥
 वी ले १०७ त्र म्म माल ध्व ड न या म ॥ १२



थ ऊ तु. रू या व उ वा य व दा वा
 न स थू ना उ विय. क वा स रु ना के
 न स ग न स वा ना उ हि उ हि न क
 अ ख न न रु गो. य न रु न वा ति
 रु न. स उ रु न. लो कर गु न का
 उ. ना के रु य. वा दा का स थू ना उ
 विय. नू खा स थू ना उ वय. ॥

२. उं डिं डिं डिं व उ को न क म म मा नू य डि दू अ नू १० ६ ॥
 अ मू का व रु न क न ल गो. द य का उ. लो ग वि
 या उ. मू सां न स थू ना उ विय. ॥ अ न व ति. मा हा
 धा न मू नू २ स हि कि नी कू कू ॥ अ न व ० स उ
 नि न कू या नू धू न न. कू नू व द य का उ. मू सा
 न स थू ना दि न ३० मू उ ॥

ॐ अवा२मावा२हन२किं२रु त२खाहा॥ अत्र२०
मात्रा कथ वृ३ स उ त्रीयाखाय स उ त कं नाय, न
म कया उ २ दि न म उ॥ ॐ सांसां सा किं किं किं
दा व खाहा॥ अत्र१०००१ दा त कि, स उ प्रिया व रु,
न, क ता ह त्री द य क, मू त्र वृ ३ नाय कि त
कि उ, मा य क स उ॥ ॐ किं शा, अम त य२

श श ४ ई रु त खाहा॥ वि या ग रि त का य, तार्व खा त क
दि त क थ म॥ ॥ ॐ किं व उ वा ता हि हि कि कि
कं कि रु ट खाहा अत्र१०१ न कि ना य, थ रु या
या, नू ग त स नाय, कू त्र व स नाय॥ ॐ ह न२ ख ख
खा हि २ ह न२ स उ ई रु त॥ अत्र१००० कू यो य ना
म सि त सा, म सि त सा त्र था ना म, उ त ग त ह त

वि रु क ह त, वृ ति स या य: थ ने व्या था समा त ॥ ॐ र्व
स्वा ठ त क रु ट ॥ ॐ १०६ क स द र्व ति डा क सि य
क ०१ ॐ हि हो हो व ज का न क म म मा त या प दि ह ॥
ॐ १०६ ॐ म का व रु न क ता र ली द य का डा त म ग
वी या डा मू सा थ ना वी प दि न रा मा रु य डा ॥ ॐ रु
ता व ति मा हा धा ल मू लू र म हा की ना हं ह ॥

ॐ ॐ १०६ म रु ली न डू या ग र श न डू नू व द य का डा
मू सा न मू था न मा रु ॐ दी न ३० ॥ ॐ वा वार मा वार
ह न र दि ३ रु ठ र स्वा हा ॐ १० मा ता कं थ पू ३
म रु ली या य ता र था रु म ता प ना म का या डा दि न मा व र
ॐ मा मा मा हा हा हा हा हा ॥ ॐ १०० ॥
म रु ली या व रु क ता रु ला द य का म रु ना म य
मि रु

ॐ हिं ॐ श म ल म र श श रु रु ठ स्वा हा क ल १०